



Mr. Vikas ji



Ms. Anshika

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119710601

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
01/02/1997 :	जन्म तिथि	: 19/11/1996
शनिवार :	दिन	: मंगलवार
घंटे 21:32:00 :	जन्म समय	: 16:00:00 घंटे
घटी 37:09:39 :	जन्म समय(घटी)	: 24:17:07 घटी
India :	देश	: India
Mau :	स्थान	: Gorakhpur
25:57:00 उत्तर :	अक्षांश	: 26:45:00 उत्तर
83:33:00 पूर्व :	रेखांश	: 83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:04:12 :	स्थानिक संस्कार	: 00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:40:08 :	सूर्योदय	: 06:19:13
17:38:55 :	सूर्यास्त	: 17:04:34
23:49:01 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:48:49
कन्या :	लग्न	: मेष
बुध :	लग्न लग्नाधिपति	: मंगल
तुला :	राशि	: कुम्भ
शुक्र :	राशि-स्वामी	: शनि
विशाखा :	नक्षत्र	: पू०भाद्रपद
गुरु :	नक्षत्र स्वामी	: गुरु
3 :	चरण	: 1
वृद्धि :	योग	: हर्षण
तैतिल :	करण	: तैतिल
ते-तेजवन्त :	जन्म नामाक्षर	: से-सेविका
कुम्भ :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृश्चिक
शूद्र :	वर्ण	: शूद्र
मानव :	वश्य	: मानव
व्याघ्र :	योनि	: सिंह
राक्षस :	गण	: मनुष्य
अन्त्य :	नाड़ी	: आद्य
सर्प :	वर्ग	: मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
गुरु 5वर्ष 0मा 17दि
बुध

19/02/2021

20/02/2038

बुध	19/07/2023
केतु	15/07/2024
शुक्र	16/05/2027
सूर्य	21/03/2028
चन्द्र	21/08/2029
मंगल	18/08/2030
राहु	07/03/2033
गुरु	12/06/2035
शनि	20/02/2038

अंश

11:32:07
19:01:37
29:07:33
11:59:22
25:48:02
08:46:26
04:16:57
09:50:44
06:01:16
06:01:16
11:17:01
04:12:09
11:25:59

राशि

कन्या
मक
तुला
कन्या
धनु
मक
मक
मीन
कन्या व
मीन व
मक
मक
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि व
राहु
केतु
हर्ष
नेप
प्लूटो

राशि

मेष
वृश्चि
कुंभ
सिंह
वृश्चि
धनु
तुला
मीन
कन्या
मीन
मक
मक
वृश्चि

अंश

15:47:46
03:33:52
21:40:29
16:56:23
13:30:38
22:13:29
01:43:01
06:58:19
13:02:03
13:02:03
07:30:45
01:41:21
08:57:40

विंशोत्तरी

गुरु 13वर्ष 11मा 26दि
शनि

16/11/2010

16/11/2029

शनि	19/11/2013
बुध	29/07/2016
केतु	07/09/2017
शुक्र	06/11/2020
सूर्य	19/10/2021
चन्द्र	21/05/2023
मंगल	29/06/2024
राहु	06/05/2027
गुरु	16/11/2029

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

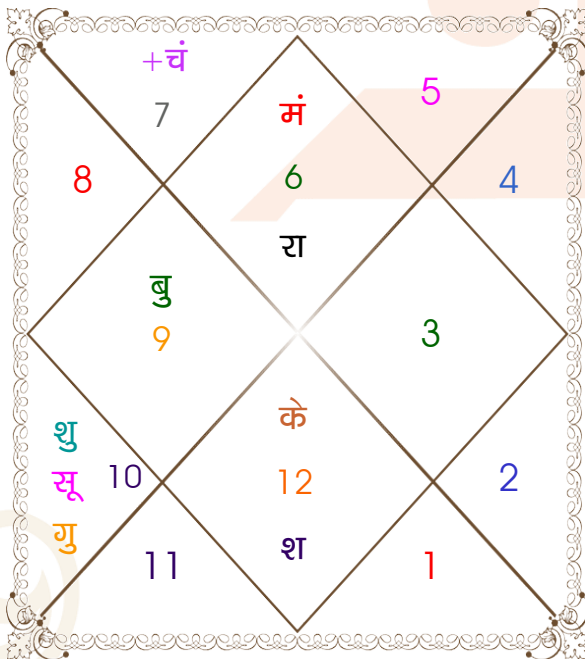
राहु : स्पष्ट

23:49:01

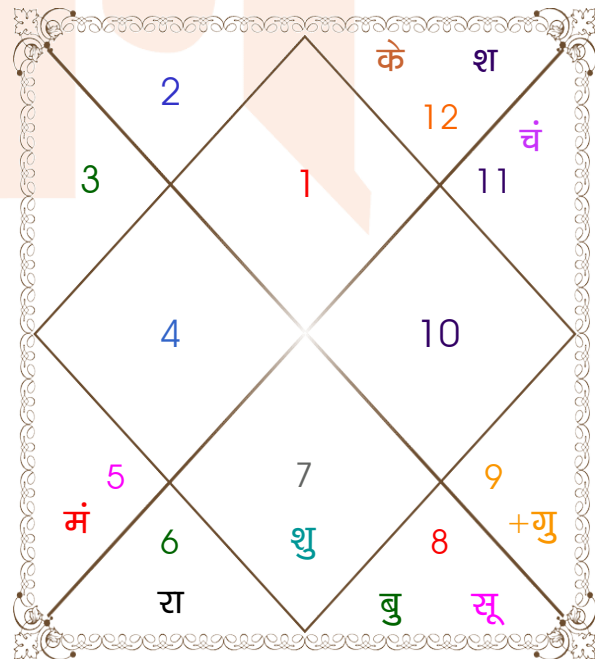
चित्रपक्षीय अयनांश

23:48:49

लग्न-चलित



लग्न-चलित



Jyotirvid Prabhat Tripathi (Sun Astrology Consultancy)

Netaji Subhash Chandra Bose Nagar Gorakhnath Gorakhpur

8318061741

sunastrology01@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

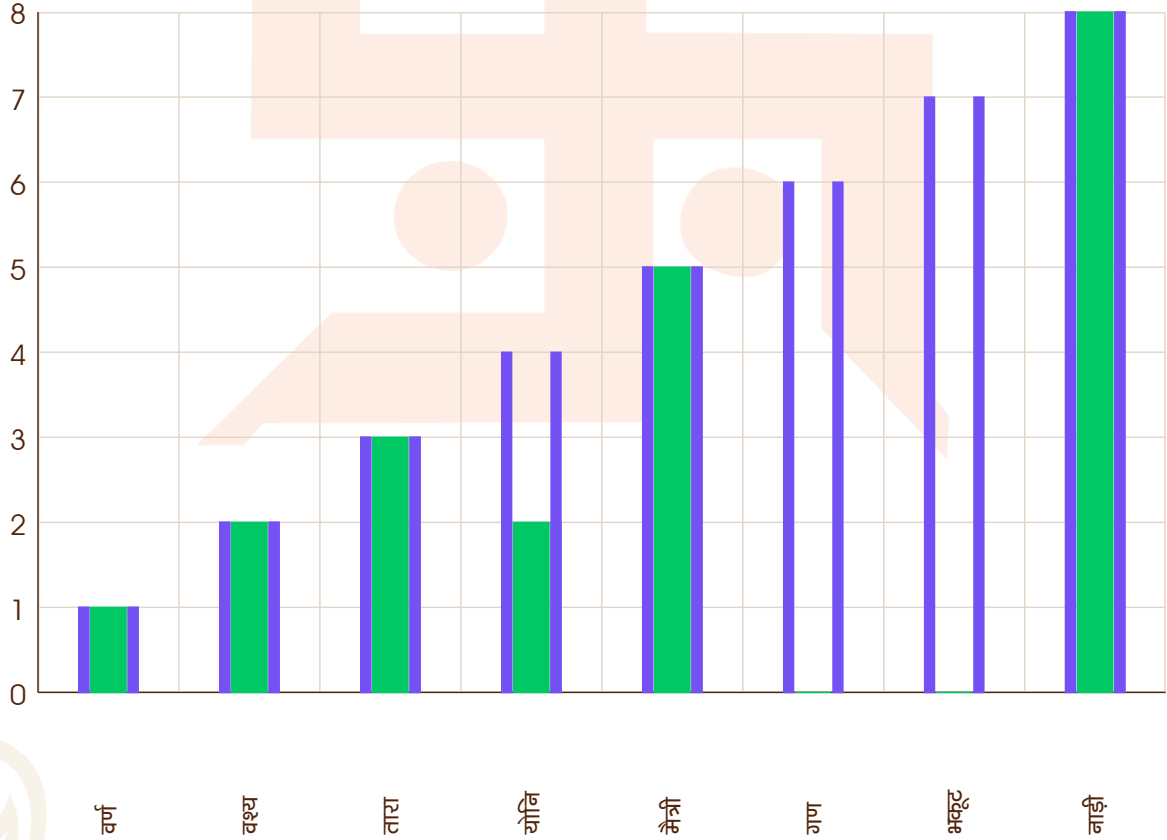
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

21.00

कुल : 21 / 36



Jyotirvid Prabhat Tripathi (Sun Astrology Consultancy)

Netaji Subhash Chandra Bose Nagar Gorakhnath Gorakhpur

8318061741

sunastrology01@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.Vikas ji का वर्ग सर्प है तथा डेण दीपां का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Vikas ji और डेण दीपां का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Vikas ji मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr.Vikas ji की कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण दीपां मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुण्डली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुण्डली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेण दीपां की कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Vikas ji तथा डेण दीपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.Vikas ji का वर्ण शूद्र है तथा डेण दीपां का वर्ण भी शूद्र है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, व्यवहार, दृष्टिकोण, पसन्द-नापसन्द में समानता रहेगी। साथ ही दोनों में इतना प्रेम होगा कि लगेगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों। दोनों के बीच गहरा प्रेम, सद्भाव, साहचर्य एवं पारस्परिक समझ बनी रहेगी। दोनों घर की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए साथ मिलकर कार्य करते रहेंगे।

वश्य

Mr.Vikas ji का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं डेण दीपां का वश्य भी द्विपद अर्थात् मनुष्य है अर्थात् दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Mr.Vikas ji एवं डेण दीपां दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Mr.Vikas ji की तारा जन्म तथा डेण दीपां की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Mr.Vikas ji की योनि व्याघ्र है तथा डेण दीपां की योनि सिंह है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.Vikas ji एवं डेण्दीपां दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि Mr.Vikas ji एवं डेण्दीपां के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Mr.Vikas ji एवं डेण्दीपां जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Mr.Vikas ji का गण राक्षस है तथा डेण्दीपां का गण मनुष्य है। अर्थात् डेण्दीपां का गण Mr.Vikas ji के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

Mr.Vikas ji से डेण्दीपां की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा डेण्दीपां से Mr.Vikas ji की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण डेण्दीपां को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

Mr.Vikas ji की नाड़ी अन्त्य है तथा डेण्दीपां की नाड़ी आद्य है। अर्थात् दोनों की

नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Mr.Vikas ji की अन्त्य नाड़ी तथा डेण्डीपां की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।



मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.Vikas ji की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा डेण्‌दीपां की राशि भी वायुतत्व युक्त कुम्भ है। वायुतत्व की वायुतत्व से समानता होने पर Mr.Vikas ji और डेण्‌दीपां की स्वभावगत विषेषताएं समान रहेंगी फलतः परस्पर संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा अतः मिलान उत्तम रहेगा।

Mr.Vikas ji की राशि का स्वामी शुक्र तथा डेण्‌दीपां की राशि का स्वामी शनि परस्पर मित्र भाव में स्थित है। अतः इनके दाम्पत्य संबंध मधुर रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति सहयोग सहानुभूति तथा समर्पण का भाव रहेगा। वे सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। Mr.Vikas ji और डेण्‌दीपां परस्पर गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा सच्चे मित्रों की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे फलतः वैवाहिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

Mr.Vikas ji और डेण्‌दीपां की राशियां परस्पर पंचम एवं नवम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा परस्पर अहंकार के भाव में वृद्धि होगी फलतः एक दूसरे से स्वयं को श्रेष्ठ समझने की प्रवृत्ति उत्पन्न होगी जिससे आपसी संबंधों में तनाव तथा कटुता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति कोई विशेष सदभावना नहीं रहेगी। अतः उपरोक्त प्रवृत्तियों का Mr.Vikas ji और डेण्‌दीपां को यत्नपूर्वक परित्याग करना चाहिए।

Mr.Vikas ji और डेण्‌दीपां दोनों का वश्य मानव है। अतः इनकी अभिरुचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं समान रहेंगी फलतः दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे।

Mr.Vikas ji और डेण्‌दीपां दोनों का वर्ण शूद्र है अतः दोनों की प्रवृत्ति बिना किसी वरीयता के किसी भी कार्य को परिश्रम एवं ईमानदारी से करने की रहेगी। अतः कार्य क्षेत्र में नित्य उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे।

धन

Mr.Vikas ji और डेण्‌दीपां का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रशस्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Mr.Vikas ji और डेण्‌दीपां सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Mr.Vikas ji को पैतृक सम्पत्ति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे

धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे। इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.Vikas ji का अन्त्य तथा डेण दीपां का आद्य नाड़ी में जन्म हुआ है अतः दोनों की नाड़ियां भिन्न होने के कारण नाड़ी दोष के प्रभाव से ये मुक्त रहेंगे जिससे इनका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा ही रहेगा। लेकिन मंगल का डेण दीपां के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से वह रक्त या पित विकार से परेशान होंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट की भी संभावना रहेगी। साथ ही गुप्त रोग एवं काम क्रिया में उदासनीनता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इससे पति पत्नी के आपसी संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा जिससे दाम्पत्य जीवन की मधुरता में अल्पता आएगी। अतः मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए डेण दीपां को चाहिए कि वह नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करें तथा मंगलवार के उपवास भी रखें।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.Vikas ji और डेण दीपां का मिलान उत्तम रहेगा। इसका प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.Vikas ji और डेण दीपां के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में डेण दीपां के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन डेण दीपां को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में डेण दीपां को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.Vikas ji और डेण दीपां सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमत्ता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.Vikas ji और डेण दीपां का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डेण दीपां तथा उसकी सास के परस्पर संबंध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में अधिक अन्तर होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी गंभीर नहीं

होगी जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि डेण दीपां धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक सामंजस्यशील प्रवृत्ति का अनुसरण करें तो सास से संबंधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ डेण दीपां के संबंध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान की भावना तथा सेवा की प्रवृत्ति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबंधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्द्विता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार डेण दीपां का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुराल-श्री

Mr.Vikas ji के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Mr.Vikas ji अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Mr.Vikas ji के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Mr.Vikas ji के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।